VISION IAS
M
N
29 JUN 2018
SUBMITTED IN 3 HOURS
RECEIVED

VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1066)

Name of Candidate	Ravi Kumar Sihag		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	168117
Center	MN	Date	29/06/18

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Context Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. The cave architecture in India not only enlighten us with information of tradition and customs of ancient times but also illustrate considerable accomplishment with regard to structural engineering and artistry. Discuss.
(150 WORDS) 10

भारत में गुहा स्थापत्य न केवल हमें प्राचीनकालीन परंपराओं और रीति-रिवाजों की जानकारी प्रदान करता है, अपितु यह संरचनात्मक अभियांत्रिकी एवं कलाकृतियों के संबंध में महत्वपूर्ण उपलब्धियों का दृश्य उदाहरण भी प्रस्तुत करता है। चर्चा कीजिए।

भारत में गुहा स्थापत्यकला की शुरुआत प्राचीनकाल में मानी जाती है। मध्य-पाषाणकाल की भीमबेटका की गुफाओं से लेकर अशोकयुगीन गुफाओं (आजीवकों हेतु बराबर की गुफाएँ) तथा परवर्तीकालीन अजन्ता, एलोरा की गुफाएँ इसका निदर्शन कराती है।

जैन गुफाओं के पहाड़ियों में स्थित होने से उनकी जीवन पद्धति का पता चलता है। इसके अलावा बौद्धों के गुफा काटकर बनाये गए चैत्य एवं विहार भी बौद्ध परंपराओं, जीवन पद्धति, जातककथाओं के बारे में ज्ञान देती हैं। अशोक, दशरथ जैसे मौर्य शासकों द्वारा आजीवकों को भी गुफाएँ ~~बन~~ बनवाकर दी गई थी।

संरचनात्मक अभियांत्रिकी व

संरचनात्मक पक्ष की बात करें तो इस पर अजन्ता, एलोरा की गुफाओं की बात करना महत्वपूर्ण होगा। यहाँ की गुफाओं के भित्तिचित्र अत्यन्त सजीव है। एलोरा की गुफाएँ सांस्कृतिक व धार्मिक समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत करती है। एलोरा का कैलाशनाथ मंदिर संरचनात्मक अपूर्व के रूप में जाना जाता है।

इसके अलावा दक्षिण में पल्लव-कालीन मंडप (गुफा काटकर बनाए गए) भी दर्शनीय है।

इस प्रकार भारतीय गुहा स्थापत्यकला प्राचीन परंपराओं व रीतिरिवाजों एवं संरचनात्मक अभियांत्रिकी का निदर्शन कराती है।

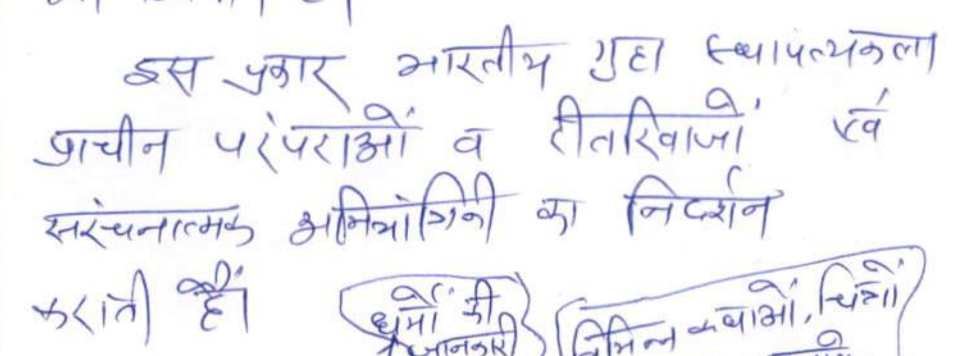

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. While the Battle of Plassey laid the foundation of British Empire in India, it was the Battle of Buxar that proved to be the turning point of British fortunes in India. Discuss. **(150 WORDS) 10**

यद्यपि प्लासी के युद्ध ने भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की नींव रखी, तथापि यह बक्सर का युद्ध था जो भारत में अंग्रेजों की सफलता के लिए निर्णायक सिद्ध हुआ। चर्चा कीजिए।

कुछ विद्वानों के अनुसार प्लासी का युद्ध भारत में अंग्रेजों की सफलता में निर्णायक नहीं था जिसके कारण हैं-

(क) नवाब सिराजुद्दौला के प्रशासन में से अनेक अधिकारी जैसे मीर जाफर, मानिकचंद, अमीचंद आदि अंग्रेजों से जाकर मिल चुके थे।

(ख) सैन्य स्तर पर भी मीर जाफर के नेतृत्व में सैन्य टुकड़ी ने युद्ध में भाग ही नहीं लिया।

इन कारणों की वजह से प्लासी के युद्ध को निर्णायक नहीं कहा जा सकता।

1964 में जब मीर कासिम, अवध के निजाम शुजाउद्दौला एवं मुगल शासक शाह आलम द्वितीय की संयुक्त सेनाओं को अंग्रेजी सेनापति हेक्टर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मुनरो द्वारा हराया गया तो अंग्रेजों ने अपनी सैन्य, राजनीतिक श्रेष्ठता साबित की। इस युद्ध में अंग्रेज पूर्णतः अकेले थे।

बक्सर के युद्ध ने कंपनी ने उत्तर भारत में अवध उड़ीसा, बिहार एवं दिल्ली तक में अपनी श्रेष्ठता का प्रदर्शन कर अपनी आगामी सफलताओं हेतु निर्णायक रूप में प्रस्तुत किया। जबकि प्लासी का युद्ध तो अंग्रेजों की नींव स्थापना के साथ-साथ बंगाल के राजस्व, खजाने के द्वारा उनकी सैन्य व आर्थिक सुदृढ़ता को बढ़ाने में मददगार साबित हुआ।

3. Among many novel methods and themes, the Swadeshi Movement laid great emphasis not only on boycott but also on self-reliance. Discuss.

(150 WORDS) 10

अनेक अनूठे तरीकों और विषय-वस्तु के साथ-साथ, स्वदेशी आंदोलन ने न केवल बहिष्कार, अपितु आत्मनिर्भरता पर भी अत्यधिक बल दिया। चर्चा कीजिए।

बंगाल विभाजन (1905) की पृष्ठभूमि में प्रारंभ में नरमपंथी राष्ट्रवादियों और कालान्तर में इस स्वदेशी आंदोलन की बागडोर संभालने वाले गरमपंथियों जैसे बाल गंगाधर तिलक, अरविन्द घोष, विपिन चन्द्र पाल आदि ने बहिष्कार, स्वराज्य, स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता की अवधारणा रखते हुए निष्क्रिय प्रतिरोध किया।

आंदोलन में एक तरफ अंग्रेजी वस्तुओं का बहिष्कार करना था जबकि दूसरी ओर स्वदेशी के प्रयोग को प्रोत्साहन किया गया। कुछ प्रयास निम्न थे -

(क) शिक्षा के क्षेत्र में बंगाल शिक्षा परिषद की स्थापना की गई। अनेक नये स्वदेशी कॉलेज खोले गये।

(ख) बंगाल के प्रफुल्ल आचार्य ने बंगाल

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्वदेशी केमिकल स्टोर की स्थापना की गई। इस प्रकार की सहायता रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा भी की गई।

(ग) बंगाला साहित्य में अभूतपूर्व उत्थान देखा गया। 'अमार सोनार बंगला' जैसे गीत इसी समय लिखे गये।

(घ) अवनीन्द्रनाथ टैगोर जैसे चित्रकारों द्वारा 'भारत माता' के चित्र आदि के द्वारा लोगों को स्वदेशी अपनाने एवं राष्ट्रवादी भावना के प्रसार हेतु प्रोत्साहित किया गया।

इस प्रकार बंग-भंग से शुरुआत कर आंदोलन को राष्ट्रीय रूप देने में स्वदेशी आंदोलन के तरीकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. The idea of linguistic states predated independence, however it took some time even after independence for this idea to be implemented. Discuss.
(150 WORDS) 10

यद्यपि भाषाई राज्यों का विचार स्वतंत्रता-प्राप्ति से पहले का था, तथापि स्वतंत्रता-प्राप्ति के पश्चात् भी इस विचार को कार्यान्वित करने में कुछ समय लगा। चर्चा कीजिए।

भारत के स्वतंत्रता संघर्ष में कांग्रेस द्वारा 1920 के आस-पास से (नागपुर अधिवेशन) भाषायी आधार पर राज्यों की समितियों का निर्माण किया गया। महात्मा गांधी भी भारत की क्षेत्रीय भाषाओं को अत्यन्त उन्नत मानकर देश को भाषायी आधार पर वर्गीकृत करना चाहते थे।

हालांकि, 1947 में विभाजन के कड़वे अनुभवों के उपरांत शीर्ष नेतृत्व ने यह महसूस किया कि वर्तमान में देश का भाषायी विभाजन देश के एकीकरण हेतु उपयुक्त नहीं है। इस हेतु एस. के धर आयोग, जे.वी.पी. समिति आदि की अनुशंसाएँ भी तत्कालीन समय में भाषायी आधार पर पुनर्गठन के पक्ष में नहीं थी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस समय तत्कालीन मद्रास से तेलुगु भाषी आन्ध्र राज्य के गठन के मुद्दे पर कांग्रेसी कार्यकर्ता पोट्टी श्रीरामुलु की मृत्यु के बाद आन्ध्र का गठन करना पड़ा। तदोपरांत बनाए गए फजल अली आयोग (1955) ने भी भाषा को देश के पुनर्गठन का आधार स्वीकार किया (एकमात्र नहीं)। अतः 14 राज्यों व 6 केन्द्रशासित प्रदेशों का गठन हुआ और समस्या का समाधान हुआ।

1966 के बाद भाषायी आधार पर पुनर्गठन की समस्या अब देश में नहीं रह गई है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Dr. B. R. Ambedkar understood that persistent inequalities pose fundamental challenges to the economic and social well-being of the nation and people. In this context, discuss the key contributions of Dr. Ambedkar in the history of modern India. **(150 WORDS) 10**

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर का मानना था कि दीर्घस्थायी असमानताएं राष्ट्र और लोगों के आर्थिक एवं सामाजिक कल्याण के समक्ष बुनियादी चुनौतियां प्रस्तुत करती हैं। इस संदर्भ में, आधुनिक भारत के इतिहास में डॉ. अम्बेडकर के प्रमुख योगदानों की चर्चा कीजिए।

भारतीय संविधान के निर्माता, दलित वर्गों के निर्विवाद नेता एवं 'आधुनिक मनु' के रूप में विख्यात डॉ० अम्बेडकर के दीर्घस्थायी असमानताओं के परिपेक्ष्य में भारतीय इतिहास में योगदान प्रमुख है:-

(i) उन्होंने सर्वप्रथम कार्य समाज के दलित वर्गों में शोषण के विरुद्ध चेतना को जागरूक करने का किया। इस हेतु उनके द्वारा बहिष्कृत हितकारिणी सभा (1923), अखिल भारतीय अनुसूचित जाति संघ (1942) एवं स्वतंत्र श्रमिक पार्टी की स्थापना की गई।

(ii) दूसरा कार्य देश के दलितों में राष्ट्रीय चेतना का विकास कर उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सचेत बनाना था।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) भारतीय संविधान के निर्माण के समय भी संविधान में समानता का अधिकार (अनु॰ 14 से 18), अस्पृश्यता उन्मूलन (अनु॰ 17), दलित वर्गों हेतु शिक्षा एवं रोजगार में आरक्षण (अनु॰ 15 व 16), राज्य विधायिकाओं में अनुसूचित जाति व जनजाति का प्रतिनिधित्व जैसे प्रावधानों ने संविधान को समावेशी रूप दिया ताकि पिछड़े व दलित वर्ग भी विकास के रास्ते पर चल सके।

स्वतंत्रता पश्चात रिपब्लिक पार्टी ऑफ इंडिया आदि के माध्यम से भी उन्होंने दलित वर्गों की समानता की बात की।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. It has been pointed out that in recent times, while the proportional share of nuclear households has dipped in urban areas it has risen in rural areas. Analyse the reasons behind this trend. **(150 WORDS) 10**

यह इंगित किया गया है कि हाल के समय में, जहां शहरी क्षेत्रों में एकल परिवारों की आनुपातिक हिस्सेदारी में कमी आई है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में यह बढ़ी है। इस प्रवृत्ति के पीछे उत्तरदायी कारणों का विश्लेषण कीजिए।

हाल के समय में कुछ अध्ययनों ने शहरी स्तर पर एकल परिवारों की कमी व ग्रामीण स्तर पर वृद्धि को इंगित किया है जिसके कारण निम्न हो सकते हैं।

शहरी स्तर पर

(क) ग्रामों से जो परिवार रोजगार की तलाश में शहर जाकर बसे थे, उनके आर्थिक संकटों ने उन्हें वापिस जाने को मजबूर कर दिया।

(ख) वैश्वीकरण के कारण आधुनिक मध्यवर्ग का उदय जो कि माता-पिता को अलग जगह रखने का आर्थिक बोझ उठा नहीं सकता अतः संयुक्तता को बढ़ावा मिलता है।

(ग) 'डुअल फैमिली' (dual family) में शहरी वर्ग अपने बच्चों की देखभाल हेतु भी वृद्धों का सहारा लेता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अतः पारिवारिक कामों में मदद मिलती है।

ग्रामीण स्तर पर

(क) जोतों का विखण्डन (जनसंख्या वृद्धि के कारण) नये परिवारों को जन्म देता है।

(ख) नयी शिक्षा पद्धति व नये मूल्यों के प्रसार ने आपसी सहयोग की भावना को कम कर निजता की भावना में वृद्धि की है, फलस्वरूप एकल परिवार को बढ़ावा मिलता है

(ग) नारी शिक्षा - चूंकि संयुक्त परिवार पितृसत्तात्मकता का द्योतक है अतः शिक्षित नारियाँ यहाँ जीवन-यापन नहीं कर पाती हैं।

(घ) बढ़ता शहरी प्रवास

अतः वृहत. स्तर पर न ही हैर स्तर पर इन कारणों ने एकल परिवारों की उपर्युक्त प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Separation, and not divorce, is the dominant form of marriage dissolution for most women in India. What could be the possible reasons behind this? Also, discuss why there are striking differences in divorce rates between the different regions in India. **(150 WORDS) 10**

असाहचर्य, न कि तलाक, भारत में अधिकांश महिलाओं के लिए विवाह विच्छेद का एक प्रमुख रूप है। इसके पीछे संभावित कारण क्या हो सकते हैं? साथ ही, चर्चा कीजिए कि भारत में विभिन्न क्षेत्रों के बीच तलाक की दर में सुस्पष्ट अंतर क्यों हैं।

असाहचर्य ही वह प्रक्रिया होती है तो तलाक उसका परिणाम। असाहचर्य से अभिप्राय पति-पत्नी का साथ न रह पाना।

कारण :-

(क) विचारधारात्मक भिन्नता :- पुरुषप्रधान समाज में पितृसत्तावादी मानसिकता, शिक्षित महिलाओं को उनके हितों के खिलाफ लगती है।

(ख) नारी को निम्न समझना :- विवाहोपरांत नारी से सभी कार्य अर्थात. गृह व व्यवसाय करने की अपेक्षा नारी को असंतुष्ट करती है।

(ग) पश्चिमी मूल्यों व सहिष्णुता का अभाव - सूचना क्रान्ति के युग में धैर्य की कमी के कारण तलाक वृद्धि को प्रोत्साहन

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मिलता है।

(घ) एकल परिवार व घरेलू हिंसा :- संयुक्त परिवारों के टूटने से एकल परिवारों में जिम्मेदारियों का बोझ बढ़ जाता है एवं एकाकी परिवारों को 'ओवरलोडेड सर्किट' की संज्ञा दी जाती है क्यों कि महिलाएँ पुरुषों के गुस्से का शिकार होती है।

क्षेत्रवार विभिन्नता

(क) गाँवों में शहरों से तलाक की दर कम क्योंकि शिक्षा कम, संयुक्त परिवार, पश्चिमी मूल्यों का कम प्रसार हुआ है।

(ख) कृषि प्रधान क्षेत्रों में औद्योगिक क्षेत्रों से कम प्रसार हुआ है क्योंकि यहाँ महिलाओं को आधुनिक मूल्यों से परिचित होने का कम समय मिलता है।

(ग) सूचना प्रौद्यो० क्षेत्रों तक पहुँच भी एक बड़ा कारण है जहाँ ये सेवा अधिक मात्रा में है वहाँ विच्छेदन की प्रवृत्ति भी बढ़ी है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Giving an account of their impact, mention the reasons for increased frequency of dust storms as observed in the last few years. **(150 WORDS) 10**

धूल भरी आंधियों के प्रभाव का विवरण प्रस्तुत करते हुए, पिछले कुछ वर्षों में अवलोकित धूल भरी आंधियों की वर्धित आवृत्ति के कारणों का उल्लेख कीजिए।

हाल ही में देश के उत्तरी पश्चिमी भागों में चली धूल-भरी आँधियों ने जीवन स्तर को व्यापक रूप से प्रभावित किया। मुख्यतः ये आँधियाँ ग्रीष्म ऋतु में निम्न दाब के क्षेत्र के देश के उत्तर पश्चिमी भाग में केन्द्रित होने के कारण वायु के तीव्र अभिवहन एवं दाब के अचानक पतन के फलस्वरूप आती है। पिछले कुछ वर्षों में इनके आगमन के कुछ कारण निम्न हो सकते हैं-

(क) जलवायु परिवर्तन का प्रभाव :- इस कारण निम्न दाब, अत्यधिक ताप के कारण और तीव्र हो जाता है

(ख) मृदा का ढीलापन फलस्वरूप मृदा के कण ~~कण~~ है अपरदित होकर हवाओं के साथ अधिक बहते हैं।

(ग) पृथ्वी द्वारा अपनी ऊष्मा बजट को संतुलित करने की प्रवृति के कारण उच्च ताप का संतुलन यही धूल भरी आंधियां करती है।
(घ) वैश्विक घटनाओं जैसे एल-नीनो, सोलर मिनिमम (कलंक चक्र) आदि का प्रभाव

प्रभाव :-
(क) मृदा अपरदन में वृद्धि फलस्वरूप कृषि व आर्थिक क्रियाओं पर प्रभाव
(ख) अवसंरचना जैसे सड़कों, भवनों का विनाश, पेड़ों का उखड़ना
(ग) मानव एवं पशुधन की हानि
(घ) फसलों का उखड़ जाना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. Elaborate on the factors responsible for the evolution of the current drainage system in Indian sub-continent, with special emphasis on the characteristic features of Himalayan and Peninsular rivers. **(150 WORDS) 10**

हिमालयी और प्रायद्वीपीय नदियों की अभिलाक्षणिक विशेषताओं पर विशेष बल देते हुए, भारतीय उपमहाद्वीप में वर्तमान अपवाह प्रणाली के विकास के लिए उत्तरदायी कारकों का सविस्तार वर्णन कीजिए।

हिमालयी नदियाँ	प्रायद्वीपीय नदियाँ
(i) पूर्ववर्ती नदियाँ	(i) अतिव्यापित नदियाँ
(ii) अपेक्षाकृत नवीन	(ii) पुरानी
(iii) जलोढ़ की अधिक मात्रा, गॉर्ज, खाईयाँ, की उपस्थिति	- जलोढ़ की कम मात्रा, निश्चित संरचनात्मक मार्ग
(iv) मार्ग की वक्रता एवं मार्ग परिवर्तन	- निश्चित मार्ग पर बहाव
(v) तलीय अपरदन अधिक	- पार्श्व अपरदन अधिक

भारतीय उपमहाद्वीप की वर्तमान अपवाह प्रणाली के दो प्रकार हैं

(क) हिमालयी :- इसका विकास मेसोजोइक काल में एक ही नदी 'इण्डो-ब्रह्म' से हुआ जो असम की घाटी से हिमालय के समान्तर उ० प० की ओर बहते

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हुए कराची के समीप अरब सागर में गिरती थी। प्लीस्टोसीन काल में हुए पोतवार पठार एवं दिल्ली रिज के उत्थान व मालदा भ्रंश के कारण यह गंगा, सिन्धु व ब्रह्मपुत्र नदी तंत्र में बंट गई। शिवालिक में नदीय निक्षेपों की उपस्थिति इसका प्रमाण है।

प्रायद्वीपीय :- सर्वप्रथम भारत के पश्चिमी तट के अवतलन के कारण ढाल की दिशा द० पू० हो गई। अतः अधिकांश नदियों का बहाव (गोदावरी, कृष्णा) इसी ओर है। साथ ही भारतीय प्लेट के उत्तरामुखी गमन एवं दबाव के कारण विंध्य पर्वत श्रृंखला के पास भ्रंश का निर्माण हुआ। नर्मदा व ताप्ती इन्हीं भ्रंश घाटियों से होकर बह रही है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Enumerate the features of Plantation Agriculture and the problems faced by them. Given the fact that area under cultivation of palm oil has been increasing, discuss the benefits and challenges associated with it.

(150 WORDS) 10

बागानी कृषि की विशेषताओं और इसके समक्ष आने वाली समस्याओं को सूचीबद्ध कीजिए। इस तथ्य को देखते हुए कि पाम ऑयल की खेती के अंतर्गत क्षेत्र में वृद्धि हो रही है, इससे संबद्ध लाभों और चुनौतियों की चर्चा कीजिए।

बागानी खेती से तात्पर्य कपास, गन्ना, चाय, कॉफी, केला, पॉम जैसी फसलों से है जिन्हें शुरू में नर्सरी आदि में उगाकर बाद में विस्तृत रोपण किया जा सकता है या फिर सीधे भी। परन्तु इनका उद्देश्य वाणिज्यिक होता है तकनीकी व मजदूरों की आवश्यकता भी अधिक पड़ती है।

विशेषताएँ (क) एकल कृषि (ख) तकनीक जरूरत अधिक (ग) वाणिज्यिक उद्देश्य (ङ) जल गहन फसलें (घ) मजदूरों की अधिक आवश्यकता

समस्याएँ :-
(क) जल की प्रचुर उपलब्धता का न होना
(ख) श्रम का महंगा होना व कम उपलब्धता
(ग) मृदा का निम्नीकरण (मोनोकल्चर के कारण)
(घ) बाजार मांग का परिवर्तनशील होना

पॉम ऑयल क्षेत्र में वृद्धि के लाभ

(क) आयात -निर्भरता में कमी
(ख) खाद्य तेल के प्रयोग से भोजन के पोषकों की वृद्धि फलस्वरूप खाद्य सुरक्षा में वृद्धि।
(ग) रोजगार में वृद्धि क्योंकि यह फसल श्रम गहन है।

(~~ख~~) समस्याएँ
(क) उचित किस्मों की अनुपलब्धता
(ख) सरकारी प्रोत्साहन का अभाव (आयात शुल्क बढ़ाना, घरेलू उत्पादन का संरक्षण)
(ग) मृदा की उर्वरता में क्षति
(घ) तकनीकों की कमी
(ङ) द० पू० एशियाई देशों का ऑयल सस्ता होना।

अतः उचित तकनीकों व सरकारी नीतियों (सब्सिडी, शुल्क नीति) के द्वारा इन समस्याओं को दूर कर सकते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Bring out the distinctive features of Gandhara, Mathura and Amravati schools of art that flourished towards the first century CE. **(250 WORDS) 15**

प्रथम शताब्दी ईस्वी के आसपास विकसित होने वाली गांधार, मथुरा और अमरावती कला शैलियों की सुस्पष्ट विशेषताओं को प्रस्तुत कीजिए।

प्रथम शताब्दी ईस्वी के आसपास भारत में मूर्तिकला की तीन शैलियों का विकास हुआ जो निम्न है -

(क) गंधार कला :- इस कला पर भारत आने वाले उत्तर- पश्चिमी आक्रमणकारियों तथा यूनानियों का प्रभाव रहा है। यह कला केवल बौद्ध धर्म से संबंधित है। इस पर यूनानी ~~एवं~~ एवं रोम की मूर्तिकला (हेलेनिस्टिक आर्ट) का प्रभाव पड़ा है।

प्रमुख विशेषताएँ

(~~१~~) आध्यात्मिकता से अधिक सांसारिकता पर बल।

+ बुद्ध के चेहरे पर दाढ़ी, घुंघराले बाल, उदास चेहरा, चेहरे के ऊपर आभामंडल आदि की उपस्थिति

- सौन्दर्य पक्ष से अधिक वास्तविक चित्रण पर बल

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- बुद्ध की मांसपेशियों का दिखाई देना, लंबा चेहरा आदि।
- केश एवं वस्त्र विन्यास पर यूनानी देवी-देवताओं का प्रभाव दिखता है।

(ख) मथुरा कला : मुख्यतः देशी कला। बुद्ध की प्रथम मूर्ति बनाने का श्रेय इसे ही दिया जाता है। बौद्ध के साथ-साथ जैन व अन्य हिंदु धर्मों की भी मूर्तियाँ। कनिष्क की सरविहीन मूर्ति इसकी धर्मनिरपेक्षता का भी परिचय देती है।

विशेषताएँ
- प्रसन्न बुद्ध की मूर्ति
- चेहरा बिना दाढ़ी का, सीधे बाल
- चेहरा आभामण्डल युक्त
- सांसारिकता से अधिक आध्यात्मिक पक्षों पर बल।
- विदेशी प्रभाव की अनुपस्थिति
- जैन धर्म में भी सर्वतोभद्र

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

की मूर्ति इसी शैली में बनाई गयी है।
- बुद्ध का गोल चेहरा एवं वास्तविकता पर कम बल

(ग) अमरावती शैली :- इसका विकास लगभग दूसरी-तीसरी शताब्दी में सातवाहनों व इक्ष्वाकु वंश में आन्ध्र क्षेत्र में हुआ। यहाँ की विशेषताएँ -
- अन्य पत्थरों के साथ-साथ सफेद संगमरमर का भी प्रयोग करना।
- मूर्तियों हेतु पैनलों का प्रयोग जिस पर बुद्ध की तथा अन्य जातक कथाओं की मूर्तियाँ बनाई गई हैं।
- बौद्ध के साथ-साथ जैन व हिंदू धर्मों की भी मूर्तियाँ उपस्थित
- स्तूपों के तोरणद्वारों आदि में मूर्तियों का प्रयोग।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. The British in India wanted not only territorial conquest and control over revenues; they also felt that they had a cultural mission: to 'civilise the natives', change their customs and values. Critically discuss.

(250 WORDS) 15

भारत में अंग्रेज न केवल क्षेत्रीय विजय और राजस्व पर नियंत्रण चाहते थे; अपितु वे यह भी मानते थे कि उनका 'मूल निवासियों को सभ्य बनाने', उनके रीति-रिवाजों और मूल्यों को परिवर्तित करने का एक सांस्कृतिक मिशन भी था। आलोचनात्मक चर्चा कीजिए।

भारत में अंग्रेजी व्यापार कंपनी का प्रमुख उद्देश्य भारत में मुख्यतः व्यापार द्वारा लाभ कमाना था। इसी हेतु वे प्रारंभ में राजाओं के छूट प्रदान करने हेतु लूट करने का प्रयास करते थे। यह नीति बाद में क्षेत्रीय विजय एवं राजस्व नियंत्रण की नीति में बदल गयी। भारत में बंगाल पर नियंत्रण (प्लासी का युद्ध), बक्सर का युद्ध आदि इसके परिणाम हैं।

कुछ विद्वान यह तर्क देते हैं कि अंग्रेजों का लक्ष्य भारतीयों को सभ्य बनाना, उनका सांस्कृतिक रूपान्तरण करना भी था। इसके लिये अंग्रेजों ने भारतीयों को आधुनिक शिक्षा का प्रसार किया, धार्मिक कुप्रथाओं यथा सती प्रथा आदि पर ~~प्रतिबंध~~ प्रतिबंध लगाया।

साथ ही ईसाई मिशनरियों के कार्य भी इसी उद्देश्य से प्रेरित थे। इसके अलावा कुछ अंग्रेज जिन्हें 'सुधारवादी' कहा जाता था भारत के धार्मिक-सामाजिक सुधारों के पक्षधर भी थे।

उपर्युक्त बातों का विस्तृत व तार्किक विश्लेषण करने पर हम पाते हैं कि अंग्रेजों का उद्देश्य केवल अंग्रेजी राज्य की सुदृढ़ता, साम्राज्यवाद का विकास एवं अंग्रेजी व्यापारी एवं पूंजीपति वर्ग का पोषण करना था। इसके लिए उनके सारे कार्य इसी दृष्टि से प्रेरित थे

(क) शिक्षा :- प्रशासन में सुविधा के लिये
- अंग्रेजी पश्चिमी मूल्यों के विकास के लिये ताकि व्यापार में वृद्धि हो व भारतीय अच्छे उपभोक्ता बनें
→ जन शिक्षा की उपेक्षा - 1813 के एक्ट में केवल 1 लाख रुपये स्वीकृत थे भी खर्च नहीं किये गये।
→ अंग्रेजी को शिक्षा का माध्यम बनाकर असमानता की खाई में वृद्धि व प्राचीन

भारतीय ज्ञान की उपेक्षा

(ग) सामा॰ धार्मिक सुधार :- केवल कुछ मुट्ठी-भर अंग्रेज ही ऐसा चाहते थे। वे भी अंग्रेजी हित को वरीयता देकर व्यापार वृद्धि एवं पश्चिमी मूल्यों के विकास के साथ-साथ ईसाई धर्म प्रचार हेतु ऐसा करना चाहते थे। 1857 के विद्रोह के बाद तो अंग्रेजों ने सुधार प्रक्रिया बंद कर और भी प्रतिक्रियावादी रुख अपना लिया।

(ग) तीसरे अंग्रेजों ने भारतीयों के एक पतित व भ्रष्ट नस्ल बताकर उनके आत्मविश्वास को चोट पहुँचाई व हीन भावना में वृद्धि की। चार्ल्स ग्रांट व कार्नवालिस जैसे व्यक्ति भारतीयों को भ्रष्ट मानते थे।

इस प्रकार अंग्रेजों का लक्ष्य आर्थिक शोषण कर अपने साम्राज्यवादी हितों को साधना था और जाने-अनजाने में ही अपनी व्यापारिक हितों के लिये उन्होंने कुछ सुधार कार्य किये।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Despite Jawaharlal Nehru and Mahatma Gandhi being close associates, there were significant differences between the two regarding the role of state and the control that it exercised. Comment. **(250 WORDS) 15**

जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी के निकट सहयोगी होने के बावजूद, दोनों के बीच राज्य की भूमिका और इसके नियंत्रण की सीमा के संबंध में अर्थपूर्ण मतभेद थे। टिप्पणी कीजिए।

जवाहरलाल नेहरू एवं महात्मा गांधी निरन्तर सहयोगी एवं घनिष्ठ थे। दोनों की नीतियों व विचारों का प्रभाव आज देश के संविधान व शासन में महसूस किया जाता है। परन्तु दोनों के विचारों में कुछ मतभेद भी थे-

(क) जहाँ गांधी अपने विकेन्द्रीकृत राज्य के हिमायती थे वहीं जवाहर लाल नेहरू एक केन्द्रीकृत शासक के पक्ष में थे।

(ख) गांधी पर शासन के ट्रस्टीशिप आदि के विचारों का प्रभाव था, जिसमें सभी संपदा को समाज द्वारा चलाया जाना था परन्तु नेहरू पर 'लोकतांत्रिक समाजवाद' या 'फेबियनवाद' का प्रभाव था जोकि मिश्रित अर्थव्यवस्था के सिद्धान्त के अनुसार लोकतांत्रिक पद्धति से समाज में व्याप्त असमानता को कम करना चाहते थे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ग) गांधीजी गाँवों को शासन की मूलभूत इकाई मानते थे। उनके अनुसार गाँवों का विकास एवं किसानों का विकास कर ही 'रामराज्य' आ सकता है, परन्तु नेहरू टॉप-डाउन एप्रोच पर बल देते थे जिसमें ऊपरी स्तर से विकास कर नीचे छनकर विकास का लाभ मिलता है।

(घ) गांधीजी आधुनिक मशीनों, उद्योग-धंधों को अनुचित मानकर हस्तशिल्प व मानवीय श्रम को विकास का आधार मानते थे जबकि जवाहर लाल नेहरू लेनिन के 'कमांडिंग हाइट्स' अर्थात बड़े उद्योगों के राज्याश्रित विकास, आर्थिक नियोजन, पंचवर्षीय योजना आदि के माध्यम से शासन को प्रमुखता देते थे।

(ङ) जहाँ नियंत्रण की सीमा की बात है जहाँ गांधी निचले स्तर द्वारा केन्द्र का नियंत्रण स्थापित करना चाहते थे, वहीं नेहरू

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

ऊपरी स्तर से निचले स्तर पर नियंत्रण की बात कहते थे।

हालाँकि इन सब मतभेदों के बावजूद भी दोनों की विचारधाराओं में कुछ समानता की तत्व भी मिलते हैं-
(क) दोनों पंचायतों के विकास के पक्षधर थे-
(ख) दोनों कुटीर उद्योगों के प्रोत्साहन के पक्ष में थे।
(ग) दोनों शांतिवादी, अनाक्रमणवादी शासन व्यवस्था के पक्ष में थे।

अंतत भारतीय संविधान में भी दोनों विचारधाराओं के स्थान प्राप्त हुआ है। राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के अनुच्छेद 40 (पंचायतों का विकास), अनुच्छेद 43 आदि गांधीवादी सिद्धान्तों की पुष्टि करते हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Enumerating the reasons behind Sino-Soviet split in the second half of the 20th century, analyse its impact on the Cold War. **(250 WORDS) 15**

20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में चीन-सोवियत दरार के पीछे उत्तरदायी कारणों को सूचीबद्ध करते हुए, शीत युद्ध पर इसके प्रभाव का विश्लेषण कीजिए।

20वीं शताब्दी में चीन व सोवियत संघ में साम्यवादी विचारधारा पर आधारित शासनों का उदय हुआ। शीतयुद्ध के समय यह उठापटक देखने को मिली

कारण

(क) चीन व सोवियत के मध्य सीमा विवाद उत्तरी क्षेत्र में

(ख) सोवियत-भारत के संबंधों में मधुरता जिससे चीन के 1962 के युद्ध के एक कारणों में भी देखा जा सकता है

(ग) चीन का दोहरा रवैया अर्थात अमेरीका से गुप्त रूप से बातचीत करने की प्रवृत्ति

(घ) चीन के आंतरिक मामलों में सोवियत हस्तक्षेप का चीन द्वारा विद्रोह।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रभाव

- युद्ध का अमेरिकी पक्ष में झुकाव
- चीन का उदारवादी व्यवस्था अपनाकर महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर
-

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. History has disproved the prediction that democracy would not succeed in India. In this context, critically assess the achievements and challenges of democracy in India since Independence. (250 WORDS) 15

इतिहास ने इस भविष्यवाणी को नकार दिया है कि भारत में लोकतंत्र सफल नहीं होगा। इस संदर्भ में, स्वतंत्रता-प्राप्ति के उपरांत भारत में लोकतंत्र की उपलब्धियों और चुनौतियों का आलोचनात्मक आकलन कीजिए।

भारत जब आजाद हुआ तो सैंकड़ों आशंकाएँ उठी कि भारत एक राष्ट्र के रूप में खड़ा रह पायेगा या नहीं। लोकतंत्र जैसा प्रयोग यहाँ सफल हो पायेगा या नहीं।

भारतीय लोकतंत्र की उपलब्धियाँ :- आदर्श लोकतंत्र की कसौटियों जैसे - (क) जनता की शक्ति पर निर्भरता (ख) सभी वर्गों को समान अधिकार (ग) निरंकुशता का विरोध आदि पर यदि कसकर देखें तो पहली कसौटी पर भारतीय लोकतंत्र खरा उतरा है भारत में सम्यक चुनाव हुए हैं जिसमें अनेक सरकारें आई हैं। अभी गठबंधन की राजनीति का होना भी लोकतंत्रात्मक प्रणाली की विशेषता बन गया है

(ख) विभिन्न वर्गों में समानता व अधिकार :-
भारत में न्यायपालिका द्वारा अनेक मूल

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अधिकारों की विवेचना की गई है। अभी हाल ही में निजता का अधिकार देना नया उदाहरण है। नागरिक अधिकार उत्पीडन अधिनियम 1955, ~~जैसे~~ ~~कानूनों~~ ने हिंदु मैरिज एक्ट, 61 वां संशोधन अधिनियम 1988 जैसे प्रावधानों ने दलितों, महिलाओं की सुरक्षा व मताधिकार का दायरा बढ़ाया है।

1975 से 77 के मध्य अपातकाल के समय लोकतंत्र पर भीषण संकट आया परंतु 1977 के चुनावों ने यह साबित कर दिया कि भारत में लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी हैं। (सूचना का अधिकार, सिटीजन चार्टर, लोकपाल बिल का पारित होना)

चुनौतियाँ:

(क) अभी भी भारतीय राजनीति परिपक्वता के स्तर तक नहीं पहुँची है। प्रतिनिधि जनता के मतों से विजयी होने के बावजूद उनके मालिक बन बैठते हैं।

(ख) विभिन्न वर्गों के अधिकारों की बात करें तो दलितों, महिलाओं पर अत्याचार आज भी आम बात है। झज्जर की घटना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

हो या निर्भया कांड आज भी हमारी पितृसत्तात्मक व असमानतावादी प्रवृत्ति की पोल खोलते हैं।

(ग) आज भी राजनीति व्यक्ति केन्द्रित लगती है। जाति का राजनीतिकरण, विचारधारा का अभाव, वोटबैंक की राजनीति के कारण भ्रष्टाचार और राजनीति सगे-संबंधियों की भाँति दिखलाई पड़ते हैं

(घ) सांप्रदायिकता की समस्या का निराकरण भी अभी तक हमारा लोकतंत्र नहीं कर पाया है।

परंतु उपर्युक्त सभी चुनौतियाँ असमाधेय नहीं हैं। शिक्षा के प्रसार के साथ-साथ एवं सामाजिक आर्थिक उन्नति होने से उम्मीद है कि हम जल्द ही इन चुनौतियों पर पार पा लेंगे और भारत सबसे बड़ा होने के साथ-साथ लोकतंत्र की परिपक्वता का भी उदाहरण पेश कर सकेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. Enumerate the key issues faced by working women in contemporary Indian society and the steps taken by the government to address them. Also, critically examine the key features of Maternity Benefit (Amendment) Act 2017. **(250 WORDS) 15**

समकालीन भारतीय समाज में कामकाजी महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली प्रमुख मुद्दों और उनसे निपटने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को सूचीबद्ध कीजिए। साथ ही, मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम, 2017 की प्रमुख विशेषताओं का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए।

भारत में कामकाजी महिलाओं की संख्या 50 से 80 लाख के मध्य है। सामाजिक असुरक्षा, सरकारी शिथिलता के कारण उनके द्वारा अनेक समस्याओं का सामना किया जाता है।

(क) सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था का अभाव
(ख) बिचौलियों के द्वारा उनकी कमाई का कुछ हिस्सा रख लेना
(ग) अनेक परिवारों द्वारा दैहिक शोषण करना।
(घ) गंदी-मलिन बस्तियों में रहने की विवशता

इन समस्याओं से निपटने के लिये सरकार द्वारा हाल ही में घरेलू श्रमिकों की सुरक्षा विधेयक लाया गया है जो कि एक स्वागतयोग्य कदम है।
श्रम मंत्रालय भी एक

विस्तृत सुरक्षा योजना पर विचार कर रहा है जिसके द्वारा बिचौलियों से मुक्ति, निश्चित सेवा शर्तें व काम के घंटे का निर्धारण करना आदि शामिल हैं

इसके अलावा निम्न वर्गों के उत्थान हेतु पेंशन योजनाएँ, जन-धन योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा मिशन आदि में

कामकाजी महिलाओं की समस्याएँ-

(क) पितृवादी मानसिकता एवं आर्थिक स्वतंत्रता के मध्य संघर्ष।

(ख) घरेलू व बाहरी कामों का दोहरा बोझ

(ग) बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी भी वस्तुतः इन्हीं की होती है।

(घ) काम पर सुरक्षा का अभाव

(ङ) घरेलू स्तर पर उत्पीड़न, 'ग्लास सीलिंग' की संकल्पना अर्थात महिलाएँ अच्छे निर्णय नहीं ले पाती हैं

(च) मुख्यतः गुलाबी कॉलर जॉब ही देना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सरकारी प्रयास

(क) कार्यस्थल पर महिलाओं का शोषण अधिनियम 2013

(ख) परिवहन साधनों में महिला आरक्षित सीटें

(ग) आपराधिक कानून संशोधन 2013

(घ) मातृत्व लाभ संशोधन अधिनियम 2017

लाभ	सीमाएँ
1) 26 सप्ताह अवकाश प्रथम 2 बच्चों पर	1) केवल औपचारिक क्षेत्र (10%) की महिलाएँ शामिल
2) सैरोगेट, गोद लेने वाली माता को भी 12 माह अवकाश	2) पुरुषों को काम पर रखने की प्रवृत्ति बढ़ेगी
3) 50 से अधिक कर्मचारियों वाली कंपनी में अनिवार्य शिशु गृह की व्यवस्था	3) गर्भवती महिला को काम पर ही नहीं रखेंगे
4) नियोक्ता की सहमति से अवकाश उपरांत घर से कार्य करने की सुविधा	4) आर्थिक बोझ पूर्णतः नियोक्ता पर डाला गया है

आगे :- 1) आर्थिक बोझ को एक फंड बनाकर सरकारी-निजी समर्थन द्वारा दूर करना चाहिए

2) महिलाओं के साथ-साथ पुरुषों को भी अवकाश दें ताकि समानता आये।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. State the factors which have led to India being categorized as a water-stressed nation. Also, identify sustainable solutions for averting the crisis at hand. **(250 WORDS) 15**

उन कारकों का विवरण प्रस्तुत कीजिए जिन्होंने भारत को एक जल-दबावग्रस्त राष्ट्र के रूप में वर्गीकृत होने की ओर अग्रसर किया है। साथ ही, इस संकट को टालने के लिए संधारणीय समाधानों की पहचान कीजिए।

भारत के जल दबावग्रस्त राष्ट्र के रूप में वर्गीकृत होने के कारण :-

(क) भौगोलिक कारक :- मानसून निर्भर कृषि एवं वर्षा का 4 महीनों तक सीमित रहना, पश्चिम में मरुस्थल की उपस्थिति

(ख) जनसंख्या वृद्धि की उच्च दर, भारत विश्व का 2.4 % क्षेत्र घेरता है, 3.4 % जल भंडार रखता है जबकि 16 % जनसंख्या का पालन-पोषण करता है

(ग) जलवायु परिवर्तन का प्रभाव :-

(क) मानसून की आवृत्ति में परिवर्तन

(ख) हिमालयी ग्लेशियरों का पिघलना

(ग) प्रायद्वीपीय नदियों में जल की कम मात्रा

(घ) अवसंरचनात्मक समस्याएं :- उदाहरण के रूप में भारत में सबसे अधिक वर्षा

प्राप्त करने वाला उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र में वर्ष के कुछ महीनों में जलाभाव का अनुभव करता है। 67% कृषि क्षेत्र सूखा प्रवण है एवं विस्तृत जल संचय एवं सिंचाई-पेयजल अवसंरचनाओं का अभाव है।

(ङ.) भूमिगत जल का दोहन: पंजाब, हरियाणा व भारत का कावेरी डेल्टा के क्षेत्र में एक-फसली पद्धति को बढ़ावा देकर भूमिगत जल का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है जिसके कारण जलस्रोत सूखकर नष्ट हो रहे हैं।

इन्हीं कारणों से आई.पी.सी.सी. की रिपोर्ट में भारत में संकटग्रस्त राष्ट्र के रूप में वर्गीकृत किया है।

संधारणीय समाधान

(क) जलसंभर प्रबंधन को बढ़ावा देना - यह पद्धति संपूर्ण नदी पारिस्थितिकी तंत्र को एक इकाई मानकर सामाजिक प्रयासों के द्वारा छोटे चैक डेम्स निर्माण, छोटी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जल सिंचाई पद्धतियों, वृक्षारोपण को बढ़ावा देकर जल-प्रबंधन करती है।

(ख) वर्षा-जल प्रबंधन तकनीक पर और अनुसंधान करना एवं तमिलनाडु की भाँति अन्य राज्यों में भी इसे अनिवार्य बनाना।

(ग) पारंपरिक जल संचय प्रणालियाँ जैसे राजस्थान में टांका, कुंड आदि को पुनर्जीवित करना।

(घ) कृषि क्षेत्र में

- फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन
- सूखा सहन व कम पानी वाली किस्म विकास
- भू-जल प्रयोग को हतोत्साहित करना।
- ड्रिप, फव्वारा विधि को प्रोत्साहन देना

(प) सरकारी स्तर पर :- जागरूकता, कानूनों का उचित कार्यान्वयन (रा० जल नीति 2002, राष्ट्रीय जलग्रहण प्रबंधन कार्यक्रम, राष्ट्रीय वाटरशेड मैनेजमेंट कार्यक्रम)।

- 'नदी जोड़ो' पर बल देना
- लोगों में सामुदायिक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. Arresting the deterioration of soil health is key to achieve food security. Discussing the regional variations in soil quality, mention some measures taken by the government for its improvement. **(250 WORDS) 15**

मृदा स्वास्थ्य के ह्रास की रोकथाम खाद्य सुरक्षा की प्राप्ति के लिए अत्यावश्यक है। मृदा की गुणवत्ता में क्षेत्रीय भिन्नताओं पर चर्चा करते हुए, सरकार द्वारा इसके सुधार के लिए उठाए गए कुछ कदमों का उल्लेख कीजिए।

मृदा ही वह कारक है जिस पर किसी देश की अर्थव्यवस्था निर्भर करती है। प्राचीन सभी सभ्यताएँ उपजाऊ मृदा वाले क्षेत्रों में ही विकसित हुई हैं -

मृदा की गुणवत्ता में क्षेत्रीय विभिन्नताएँ

(क) उपजाऊ जलोढ़ मृदाएँ :- नदियों के अवसादों के निक्षेपों से निर्मित - क्षेत्र: बिहार, पंजाब, हरियाणा के जलोढ़ मैदान, प्रायद्वीपीय नदियों का डेल्टा क्षेत्र।

(ख) दक्कन की काली मृदा :- कपास की खेती हेतु उपयोगी। वैसे उपजाऊ मृदा। महाराष्ट्र, कर्नाटक (उत्तरी), गुजरात का कुछ हिस्सा

(ग) मरुस्थलीय मृदा :- राजस्थान का पश्चिमी हिस्सा व गुजरात का कुछ हिस्सा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(घ) लाल - पीली मृदा : प्रायद्वीप के उत्तरी व पूर्वी हिस्से में । जल निकास की दृष्टि से सर्वोत्तम मृदा। खाद्य सुरक्षा हेतु उपयुक्त

(ङ) लवणीय मृदाएँ :- कच्छ का रन, सुंदरबन डेल्टा क्षेत्र के साथ साथ अवैज्ञानिक कृषि विधियाँ अपनाने के कारण पंजाब, हरियाणा, आदि में भी कुछ भूमि प्रभावित

(च) पर्वतीय मृदा :- मुख्यतः पर्वतीय प्रदेश में वनों हेतु उपयुक्त, कम उपजाऊ

सरकार के सुधार के प्रयास

(क) मृदा स्वास्थ्य कार्ड स्कीम :- 2015 से मिट्टी के पोषक तत्वों के मात्रा की सही जाँच कर उसके अनुरूप उर्वरक प्रयोग करने को प्रोत्साहन

(ख) नीम लेपित यूरिया :- धीमा अवशोषण, मृदा अम्लीकरण कम

(ग) फव्वारा, ड्रिप सिंचाई को सब्सिडी प्रोत्साहन ताकि अधिक सिंचाई से

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लवणता का खतरा कम हो।

(घ) विभिन्न कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहन जैसे रा० परंपरागत कृषि विकास योजना जिसमें जैविक खेती को बढ़ावा देकर उर्वरक व कीटनाशकों के प्रयोग को हतोत्साहित किया जाता है।

साथ ही हाल ही में आन्ध्रप्रदेश सरकार द्वारा नॉन बजट ऑर्गेनिक फार्मिंग को पूरे राज्य में लाने जैसे प्रयास भी स्वागत योग्य हैं।

(च) उर्वरकों के अधिक प्रयोग को हतोत्साहित करना।

इस प्रकार सरकारी प्रयोगों के साथ-साथ जनता को भी चाहिये कि वे इन्हें अपनाकर कीटनाशकों, उर्वरकों का कम प्रयोग कर मृदा संरक्षण में योगदान दें।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. Give a brief account of the following phenomenon and their influence on Indian Monsoon: **15**

निम्नलिखित परिघटनाओं और भारतीय मानसून पर उनके प्रभाव का एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत कीजिए:

(a) ENSO (एन्सो)

(b) Madden-Julian Oscillation (मेडेन-जूलियन दोलन)

(c) Indian Ocean Dipole (हिंद महासागर द्विध्रुव)

(अ) <u>एन्सो (ENSO):-</u>

यह मुख्यत: एलनीनो से संबंधित घटना है जो प्रशान्त महासागर में कुछ वर्षों के उपरान्त घटित होती है जब पेरू तट के जल का तापमान बढ़ जाता है एवं ऑस्ट्रेलिया तट के पास उच्च वायु दाब का केन्द्र बन जाता है।

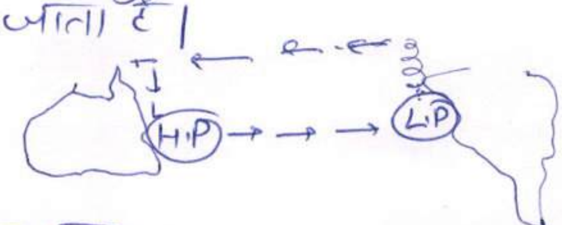

<u>मानसून पर प्रभाव</u>

(क) मानसून की तीव्रता में कमी क्योंकि मस्करीन उच्च दाब का स्रोत धीमा पड़ जाता है

(ख) मानसून की घटना का देर से होना।-

(ग) मानसून का जल्दी लौटना क्यों कि ये सब प्रभाव इस कारण घटित

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

होते हैं क्योंकि सामान्य स्थिति में ऑस्ट्रेलिया निम्न दाब से आने वाली पवनें मस्करीन उच्चदाब को सघन बनाती है उनके अभाव में यह उच्चदाब सघन नहीं हो पाता है।

(ख) <u>हिंद महासागरीय द्विध्रुव :</u> यह घटना मुख्यत: हिंद महासागर में उपस्थिति धाराओं के ठंडे या गर्म होने से संबंधित है। इस परिघटना में यदि

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. Despite tropical areas being the major emitters of CFCs, the phenomenon of ozone hole formation is largely confined to polar areas and that too over the Antarctic and in early spring. Elaborate. **(250 WORDS) 15**

उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के CFCs के प्रमुख उत्सर्जक होने के बावजूद, ओजोन छिद्र निर्माण की परिघटना मुख्य रूप से ध्रुवीय क्षेत्रों तक ही सीमित है और वह भी बसंत ऋतु के प्रारंभ में अंटार्कटिक के ऊपर। सविस्तार वर्णन कीजिए।

यह माना जाता है कि क्लोरो-फ्लोरो कार्बन गैसों का मुख्य उत्सर्जन केन्द्र ऊष्णकटिबंधीय क्षेत्र होने के बावजूद भी यहाँ पर ओजोन क्षरण की घटना नहीं पायी जाती है -

कारण :- ऊष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में वायु संवहन धाराओं के साथ ऊपर उठती है परन्तु ये धाराएं समतापमंडल में उच्च ताप के कारण और ऊपर नहीं उठ पाती हैं एवं इनके साथ विद्यमान CFC के अणु भी समतापमंडल तक नहीं पहुँच पाते हैं, अतः ओजोन परत का ह्रास नहीं हो पाता।

ध्रुवीय क्षेत्र में :- ध्रुवीय क्षेत्र में शीत ऋतु में में पोलर वॉर्टेक्स (ध्रुवीय भँवर) की घटना होती है। इस ध्रुवीय

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

म्बर के पश्चात यहाँ "ध्रुवीय समतापमंडलीय बादलों" का निर्माण होता है। ये बादल अत्यन्त ऊँचाई लगभग 70000 फीट पर बनते हैं। इन बादलों का तापमान अत्यन्त कम होता है (-45° सेल्सियस) ये बादल अपने साथ CFC के अणु भी ले जाते हैं।

अत्यन्त कम ताप पर इन बादलों के हिम रवे इन CFC के अणुओं से क्लोरीन के मुक्त होने व अभिक्रिया करने हेतु सतह प्रदान करते हैं। जिससे हाइड्रोक्लोरिक अम्ल एवं अन्य नाइट्रिक अम्ल जैसे अम्लों का निर्माण होता है ~~एवं मुक्त~~ जो कि वर्षा के रूप में नीचे आ जाते हैं।

बसंत ऋतु में अंटार्कटिका पर सूर्य की किरणें पड़ने से ध्रुवीय समतापमंडलीय बादल लुप्त हो

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

जाता है। सूर्य की पराबैंगनी किरणों के कारण यह अक्रिय क्लोरीन सक्रिय क्लोरीन के अणुओं में बदल जाती है जिससे एक क्लोरीन अणु लगभग 1 लाख ओजोन अणुओं को नष्ट कर देता है

$Cl + O_3 \rightarrow ClO + O_2$

इस प्रकार उष्णकटिबंधीय नहीं बल्कि ध्रुवीय क्षेत्रों में हवाओं के द्वारा पहुँचे हुए क्लोरीन आदि के अणु बसंत ऋतु में अंटार्कटिका में ओजोन छिद्र का कारण बनते हैं